



भारतीय विज्ञान अकादमी  
डाक पेटी सं. 8005, सी.वी. रामन अवेन्यू, बेंगलूर - 560 080, भारत  
**Indian Academy of Sciences**  
P.B. No. 8005, C.V. Raman Avenue, Bangalore - 560 080, India

Letter No.: IAS/CD/2014-15

28 August 2014

Dear Subscriber,

**Subject: Renewal of subscriptions for 2015**

The Indian Academy of Sciences was founded in 1934 by Sir C V Raman and publication of scientific journals has been its most important activity since then. The Academy is now publishing 10 journals covering almost all disciplines in science. The journal *Current Science*, published by the Current Science Association, is also being managed by the Academy. Over the last many decades, these journals have attained very high reputation both for their quality of content, production and timely release. This recognition has been confirmed time and again by various parameters such as Impact Factors, Citation Indices, etc., provided by international agencies. Our constant efforts to improve the quality of journals will continue and as always it will also be our constant endeavour to maintain the good service to our valued subscribers.

The Academy is not-for-profit autonomous institution functioning under the aegis of Department of Science and Technology (DST), Govt. of India. The Academy has been able to carry on with various programmes successfully due to the financial support received from DST and income generated from Journal subscriptions. Owing to the sharp increase in the input costs of production of journals, the Academy is forced to revise the subscription prices with effect from January 2015 (the last revision was done in 2010). The costs of paper used for journals, printing and postage have all increased substantially in the last few years. Though the Academy absorbs a large portion of these increases, keeping in view its commitment to promote the progress and uphold the cause of science, we are forced to effect a modest increase in the subscription prices of journals. The revised price list and order form is enclosed herewith. It is also available at the Academy website: [www.ias.ac.in](http://www.ias.ac.in)

Please send your renewal orders as early as possible, **not later than 15 December 2014**. Orders received later than this date will be honoured subject to availability of copies.

For any queries, please do get in touch with us by email ([orders@ias.ernet.in](mailto:orders@ias.ernet.in)) or by post.

Thanking you,

Yours faithfully,

N Maheshchandra  
Dy Executive Secretary

Encl: Price list and Order Form



भारतीय विज्ञान अकादमी  
डाक पेटी सं. 8005, सी.वी. रामन अवेन्यू, बेंगलूर - 560 080, भारत  
**Indian Academy of Sciences**  
P.B. No. 8005, C.V. Raman Avenue, Bangalore - 560 080, India

पत्र क्र.: IAS/CD/2014-15

28 अगस्त, 2014

प्रिय अभिदाता,

**विषय: वर्ष 2015 के लिए अभिदान नवीकरण**

भारतीय विज्ञान अकादमी की स्थापना सर सी वी रामन द्वारा 1934 में हुई और तभी से वैज्ञानिकीय पत्रिकाओं का प्रकाशन इसकी अत्यधिक महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक रही है। अकादमी अभी विज्ञान में लगभग सभी विषयों को आवरित करते हुए 10 पत्रिकाओं को प्रकाशित कर रही है। करेंट साइंस पत्रिका, जिसे करेंट साइंस असोसिएशन द्वारा प्रकाशित किया जाता है, भी अकादमी द्वारा प्रबंधित की जाती है। पिछले कई दशकों से, ये पत्रिकाएँ अपनी विषय-सूची की गुणवत्ता, रचनात्मकता और सामयिक प्रकाशन के कारण बहुत ही उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त कर चुकी हैं। इस मान्यता की समय-समय पर कई बार अंतर्राष्ट्रीय अभिकर्ताओं द्वारा बनाए गए मानदण्डों जैसे इम्पेक्ट फेक्टर्स, साइटेशन इंडाइसेस, इत्यादि द्वारा पुष्टि की गई है। पत्रिकाओं की गुणवत्ता को और भी बेहतर बनाने का हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा और हमेशा की तरह हमारे महत्वपूर्ण अभिदाताओं के लिए अच्छी सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास भी जारी रहेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित नॉट-फॉर-प्रोफिट (लाभ अर्जित न करने वाला) स्वशासी संस्थान है। अकादमी डीएसटी से प्राप्त वित्तीय सहायता और पत्रिका अभिदान से प्राप्त आय के द्वारा अपने विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाती आ रही है। पत्रिकाओं की प्रकाशन लागत में अत्यधिक वृद्धि के कारण, अकादमी अभिदान मूल्यों में संशोधन के लिए मजबूर है जो जनवरी 2015 से प्रभावी होंगे। (अंतिम संशोधन वर्ष 2010 में किया गया था) पत्रिकाओं के लिए उपयोग किये जाने वाला पेपर, मुद्रण और डाक खर्च सभी में अंतिम पांच वर्षों में काफी वृद्धि हुई है। तथापि, अकादमी इन वृद्धियों के बड़े अंश का वहन करती है, विज्ञान की प्रगति और उन्नति कारकों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, हम पत्रिकाओं के अभिदान मूल्यों में मामूली वृद्धि करने के लिए मजबूर हैं। संशोधित मूल्य-सूची और आदेश प्रपत्र इसके साथ संलग्नित हैं। ये अकादमी की वेबसाइट: [www.ias.ac.in](http://www.ias.ac.in) में भी उपलब्ध हैं।

कृपया अपना अभिदान नवीकरण आदेश **15 दिसम्बर 2014 के पहले** शीघ्रातिशीघ्र भेजें। इस तिथि के बाद प्राप्त आदेशों को उपलब्ध कॉपियों के अनुसार स्वीकार किये जाएंगे।

किसी भी जानकारी के लिए, कृपया ईमेल ([orders@ias.ernet.in](mailto:orders@ias.ernet.in)) द्वारा संपर्क करें अथवा हमें पत्र लिखें।

धन्यवाद

आपका शुभचिंतक

**महेशचन्द्र**

एन महेशचन्द्र

उपकार्यकारी सचिव

संलग्नक: मूल्य-सूची और आदेश प्रपत्र।